



कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय

काठाडीह, रायपुर (छत्तीसगढ़) 492013

दूरभाष : 0771 2969202

क्रमांक 673/अका./2026

रायपुर, दिनांक 10/07/2026

प्रति,

डॉ. राजेन्द्र मोहन्ती,
विभागाध्यक्ष, भाषा विभाग,
कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार
विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

विषय:- भाषा विभाग सत्र 2026-2027 के पाठ्यक्रमों का प्रेषण।

—00—

विषयांतर्गत पत्र के साथ भाषा विभाग हेतु गठित अध्ययन बोर्ड द्वारा अनुशंसित सत्र 2026-2027 के पाठ्यक्रमों की प्रति निम्नानुसार संलग्न कर आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है:-

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	सत्र	सेमेस्टर
1	M.A. (Chhattisgarhi)	2026 - 2028	I st to IV th Semester
2	M.A. (Hindi)	2026 - 2028	I st to IV th Semester

नोट :- उपरोक्त संपूर्ण पाठ्यक्रम सुलभ संदर्भ हेतु विश्वविद्यालय के वेबसाइट www.ktujm.ac.in पर उपलब्ध है।

पृ.क्र. /अका./26

(सुनील कुमार शर्मा)
कुलसचिव
रायपुर, दिनांक / /2026

प्रतिलिपि :-

1. निज सहायक, कुलपति की ओर माननीय कुलपति महोदय के सूचनार्थ।
2. परीक्षा/गोपनीय/नामांकन विभाग।
3. प्रभारी कम्प्यूटर केन्द्र, की ओर विश्वविद्यालय की वेबसाइट में पाठ्यक्रम अपलोड करने हेतु।

कुलसचिव

MASTER OF ARTS IN HINDI

(Two years full time degree course)
Marking Scheme

Semester – I

Subject/Paper		Type of Course	Credit	Max. Marks	Min Passing Marks
MA HINDI 101	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल) (TH) CE +AA	C	4	75 25	30 10
MA HINDI 102	आदिकालीन एवं निर्गुण भक्ति काव्य (TH) CE +AA	C	4	75 25	30 10
MA HINDI 103	आधुनिक गद्य साहित्य (नाटक, एकांकी एवं रेखाचित्र) (TH) CE +AA	C	4	75 25	30 10
MA HINDI 104	हिंदी गद्य का उद्भव और विकास (TH) CE +AA	C	4	75 25	30 10
MA HINDI 105	भाषा विज्ञान (TH) CE +AA	C	4	75 25	30 10
MA HINDI 106	प्रायोगिक कार्य एवं मौखिकी	C	2	100	40
Grand Total				600	240 (45%)

Semester – II

Subject/Paper		Type of Course	Credit	Max. Marks	Min Passing Marks
MA HINDI 201	उत्तर मध्यकाल से आधुनिक काल तक का इतिहास (TH) CE +AA	C	4	75 25	30 10
MA HINDI 202	सगुण भक्ति काव्य एवं रीतिकालीन काव्य (TH) CE +AA	C	4	75 25	30 10
MA HINDI 203	आधुनिक गद्य साहित्य एवं अन्य गद्य विधाएँ (उपन्यास, निबंध एवं कहानी) (TH) CE +AA	C	4	75 25	30 10
MA HINDI 204	भारतीय ज्ञान परंपरा में साहित्य (TH) CE +AA	C	4	75 25	30 10
MA HINDI 205	प्रगतिवादी एवं प्रयोगवादी काव्य (TH) CE +AA	C	4	75 25	30 10
MA HINDI 206	प्रायोगिक कार्य एवं मौखिकी	C	2	100	40
Grand Total				600	240 (45%)

(Signature)

(Signature)
Shukla

Semester – III

Subject/Paper		Type of Course	Credit	Max. Marks	Min Passing Marks
MA HINDI 301	भारतीय काव्यशास्त्र (TH) CE +AA	C	4	75 25	30 10
MA HINDI 302	शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया (TH) CE +AA	C	4	75 25	30 10
MA HINDI 303	प्रयोजनमूलक हिंदी (TH) CE +AA	C	4	75 25	30 10
MA HINDI 304	भारतीय साहित्य (TH) CE +AA	C	4	75 25	30 10
MA HINDI 305	हिंदी भाषा (TH) CE +AA	C	4	75 25	30 10
MA HINDI 306	प्रायोगिक कार्य एवं मौखिकी	C	2	100	40
Grand Total				600	240 (45%)

Semester – IV

Subject/Paper		Type of Course	Credit	Max. Marks	Min Passing Marks
MA HINDI 401	पाश्चात्य काव्यशास्त्र (TH) CE +AA	C	4	75 25	30 10
MA HINDI 402	हिंदी आलोचना तथा समीक्षाशास्त्र (TH) CE +AA	C	4	75 25	30 10
MA HINDI 403	पत्रकारिता प्रशिक्षण (TH) CE +AA	C	4	75 25	30 10
MA HINDI 404	छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य (TH) CE +AA	C	4	75 25	30 10
MA HINDI 405	लघु शोध-प्रबंध (TH) CE +AA	C	4	100	40
MA HINDI 406	इंटरनशिप अउ रिपोर्ट	C	2	100	40
Grand Total				600	240 (45%)

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)

Maximum Marks : 75

Minimum Marks : 30

Scheme of Examination

- 05 Short Answered questions (Covering 5 Units)
(Not more than 100 words) – 05 Marks each = 05*05 = 25 Marks
- 05 Long Answered questions of 05 Marks each = 05*05
(With internal choice of one question from each unit) Not more than 500 words) = 50 Marks

प्रथम पेपर: हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)

I	इतिहास-दर्शन और साहित्येतिहास, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, पुनर्लेखन की समस्याएँ।
II	- साहित्येतिहास-लेखन की प्रमुख अवधारणाएँ: मध्ययुगीनता, पुनर्जागरण और आधुनिकता - हिन्दी साहित्य के इतिहासों का इतिहासकाल विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण
III	आदिकाल की पृष्ठभूमि, वीरगाथाकाल, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो काव्य, जैन साहित्य, प्रमुख रचनाकार और उनकी रचनाएँ।
IV	पूर्व मध्यकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि (भक्तिकाल), सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आंदोलन तथा रचनाएँ।
V	उत्तर मध्यकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि (रीतिकाल), रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि रचनाकार।

सहायक पुस्तक सूची:

- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल: हिन्दी साहित्य का इतिहास।
- डॉ. नगेन्द्र: हिन्दी साहित्य का इतिहास।
- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी: हिन्दी साहित्य का आदिकाल / हिन्दी साहित्य की भूमिका।
- डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी: हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास।

आदिकालीन एवं निर्गुण भक्ति काव्य

Maximum Marks : 75
Minimum Marks : 30

Scheme of Examination

1. 05 Short Answered questions (Covering 5 Units) = 25 Marks
(Not more than 100 words) – 05 Marks each = 05*05
2. 05 Long Answered questions of 05 Marks each = 05*05
(With internal choice of one question from each unit) Not more than 500 words) = 50 Marks

	चंदबरदाई पृथ्वीराज रासो: संपादक- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. नामवर सिंह (शशिवृता विवाह खंड)।
II	कबीरदास • कबीर ग्रंथावली: संपादक श्याम सुंदर दास। डॉ. - • पद: पद क्रमांक 11, 16, 24, 26, 27, 40, 45, 49, 60, 64, 70, 72, 75, 79, 89, 93, 99, 100, 101, 103, 110, 111, 135, 267, 268 (कुल 25 पद)। • साखियाँ: गुरुदेव कौ अंग (1 से 20), सुमिरण कौ अंग (1 से 10), विरह कौ अंग (1 से 10), ग्यान विरह कौ अंग (1 से 10)।
III	मलिक मोहम्मद जायसी • पद्मावत: संपादक- आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागमती विरह खण्ड)।
IV	अमीर खुसरो एवं विद्यापति • अमीर खुसरो: व्यक्तित्व एवं कृतित्व। • विद्यापति: व्यक्तित्व एवं कृतित्व।
V	रहीम एवं रसखान रहीम: व्यक्तित्व एवं कृतित्व। रसखान: व्यक्तित्व एवं कृतित्व।

सहायक पुस्तक सूची:

1. चंदबरदाई: डॉ. सुमन राजे, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान।
2. कबीर ग्रंथावली: संपा. डॉ. श्याम सुंदर दास, तक्षशिला प्रकाशन।
3. कबीर साहित्य की परख: परशुराम चतुर्वेदी, भारती भंडार।
4. पद्मावत: संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन।
5. कबीर: संपा. हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन।
6. रहीम के दोहे: राजेंद्र पाण्डे, डायमंड बुक्स।
7. पृथ्वीराज रासो: भाषा और साहित्य: नामवर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन।
8. अमीर खुसरो: संपा. माधव हाड़ा, राजपाल एंड संस।
9. रसखान रचनावली: राजेंद्र पंडित, डायमंड पॉकेट बुक्स।
10. विद्यापति पदावली: रामवृक्ष बेनीपुरी, लोकभारती प्रकाशन।

आधुनिक गद्य साहित्य (नाटक, एकांकी एवं रेखाचित्र)

Maximum Marks : 75
Minimum Marks : 30

Scheme of Examination

1. 05 Short Answered questions (Covering 5 Units)
(Not more than 100 words) – 05 Marks each = 05*05 = 25 Marks
2. 05 Long Answered questions of 05 Marks each = 05*05
(With internal choice of one question from each unit) Not more than 500 words) = 50 Marks

I	जयशंकर प्रसाद नाटक: स्कंदगुप्त
II	मोहन राकेश नाटक: आधे-अधूरे
III	एकांकी: दीपदान: रामकुमार वर्मा एक दिन: लक्ष्मीनारायण मिश्र रीढ़ की हड्डी: जगदीश चन्द्र माथुर
IV	एकांकी (प्रमुख रचनाकार) तौलिए: उपेन्द्रनाथ अशक मम्मी ठकुराइन: लक्ष्मीनारायण लाल
V	रेखाचित्र: अतीत के चलचित्र- महादेवी वर्मा (रामा, सबिया, घीसा, अलोपी, लछमा, भाभी)

सहायक पुस्तक सूची:

1. स्कंदगुप्त: जयशंकर प्रसाद, सुमित्रा प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. हिंदी नाटक उद्भव और विकास: डॉ. दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
3. हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष: डॉ. गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन।
4. आधे-अधूरे: मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
5. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन: जगन्नाथ प्रसाद शर्मा, वाणी प्रकाशन।
6. आधुनिक हिंदी नाटक: डॉ. नगेन्द्र, मयूर बुक्स प्रकाशन, दिल्ली।
7. नाटक रंगमंच और मोहन राकेश: डॉ. सुरेन्द्र यादव, तक्षशिला प्रकाशन।
8. हिंदी एकांकी: उद्भव और विकास: रामचरण महेन्द्र, साहित्य प्रकाशन।
9. हिंदी रंगमंच: दशा और दिशा: जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन।
10. अतीत के चलचित्र: महादेवी वर्मा, अभिजीत प्रकाशन, पुणे।
11. कथेतर गद्य साहित्य (संस्मरण और रेखाचित्र): संपा. डॉ. सदानंद भोसले, राजकमल प्रकाशन।

हिंदी गद्य का उद्भव और विकास

Maximum Marks : 75
Minimum Marks : 30

Scheme of Examination

- 05 Short Answered questions (Covering 5 Units)
(Not more than 100 words) – 05 Marks each = 05*05 = 25 Marks
- 05 Long Answered questions of 05 Marks each = 05*05
(With internal choice of one question from each unit) Not more than 500 words) = 50 Marks

I	उपन्यास एवं कहानी का उद्भव, स्वरूप, प्रकार और विकासक्रम।
II	नाटक, एकांकी एवं गीतिनाट्य का उद्भव, स्वरूप, प्रकार और विकासक्रम।
III	निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण एवं यात्रा वृत्तांत का उद्भव, स्वरूप और विकासक्रम।
IV	आत्मकथा, जीवनी, डायरी लेखन व आलोचना का परिचयात्मक विवेचन।
V	व्यंग्य, रिपोर्ताज, भेंटवार्ता एवं पत्र साहित्य का परिचयात्मक अध्ययन।

सहायक पुस्तक सूची:

- हिन्दी उपन्यास: एक अंतर्गता: रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
- हिन्दी उपन्यास का विकास: मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
- कहानी की रचना प्रक्रिया: परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- हिन्दी नाटक उद्भव और विकास: डॉ. दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
- हिन्दी एकांकी: उद्भव और विकास: रामचरण महेंद्र, साहित्य प्रकाशन, दिल्ली।
- हिन्दी कथेत्तर गद्य: परंपरा और प्रयोग: दयानिधि मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
- हिन्दी गद्य साहित्य: रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- हिन्दी साहित्य में व्यंग्य और यथार्थ: डॉ. शंभूनाथ द्विवेदी, आशा प्रकाशन, कानपुर।
- पत्र साहित्य की परंपरा: डॉ. दमयंती तिवारी, ए.एस.आर. प्रकाशन, लखनऊ।

भाषा विज्ञान

Maximum Marks : 75

Minimum Marks : 30

Scheme of Examination

1. 05 Short Answered questions (Covering 5 Units)
(Not more than 100 words) – 05 Marks each = 05*05 = 25 Marks
2. 05 Long Answered questions of 05 Marks each = 05*05
(With internal choice of one question from each unit) Not more than 500 words) = 50 Marks

I	भाषा और भाषा विज्ञान भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना। भाषा विज्ञान का स्वरूप एवं व्याप्ति। अध्ययन की दिशाएँ - वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।
II	स्वन प्रक्रिया (Phonology) स्वनविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वागवयव और उनके कार्य। स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वन गुण, स्वनिक परिवर्तन। स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद।
III	व्याकरण (Morphology) रूपविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ। रूपिम की अवधारणा और भेद: मुक्त, आबद्ध, अर्थदर्शी व संबंधदर्शी रूपिम। रूपिम के भेद और प्रकार्य।
IV	वाक्यविज्ञान (Syntax) वाक्यविज्ञान: स्वरूप, अवधारणा, तत्व। वाक्य के भेद, वाक्य-विश्लेषण। निकटस्थ अवयव विश्लेषण (IC Analysis)
V	अर्थविज्ञान (Semantics) अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध। अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ। पर्यायवाची, अनेकार्थी, समानार्थी एवं विलोमार्थी शब्द।

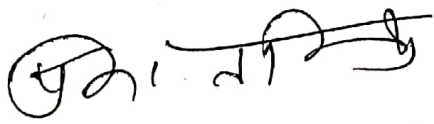
सहायक पुस्तक सूची:

1. भाषा विज्ञान की भूमिका: देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन।
2. सामान्य भाषा विज्ञान: डॉ. बाबूराम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
3. भाषा विज्ञान: डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
4. ऐतिहासिक भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा: डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन।
5. भाषाविज्ञान और भाषाशास्त्र: कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
6. आधुनिक भाषा विज्ञान: कृपाशंकर सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

प्रत्येक विद्यार्थी को परियोजना कार्य करना अनिवार्य होगा। परियोजना कार्य/असाईमेंट/सेमिनार कार्य विभागाध्यक्ष एवं संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन द्वारा तैयार किया जाएगा। प्रत्येक विद्यार्थी व्यक्तिगत रूप से अपना मौखिक परियोजना कार्य विभागाध्यक्ष को प्रस्तुत करेगा। परियोजना कार्य एवं संबंधित सेमेस्टर में विषयों के आधार पर बाह्यपरीक्षक द्वारा परीक्षा एवं मौखिकी सम्पादित होगी।

परियोजना कार्य एवं प्रकाशन: 70

मौखिकी: 30



उत्तर मध्यकाल से आधुनिक काल तक का इतिहास

Maximum Marks : 75
Minimum Marks : 30

Scheme of Examination

1. 05 Short Answered questions (Covering 5 Units) = 25 Marks
(Not more than 100 words) – 05 Marks each = 05*05
2. 05 Long Answered questions of 05 Marks each = 05*05
(With internal choice of one question from each unit) Not more than 500 words) = 50 Marks

I	उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) - रीतिकाल का नामकरण एवं काल विभाजन। - रीतिकाल की परिस्थितियाँ एवं विशेषताएँ। - विभिन्न काव्य धाराएँ। - प्रमुख कवि: मतिराम, गुरुगोविंद सिंह, गिरधर कविराय, वृंद और घनानंद।
II	आधुनिक काल का उदय - आधुनिक काल की सामाजिक, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि। - सन् 1857 की राज्य क्रांति एवं पुनर्जागरण।
III	भारतेन्दु युग एवं द्विवेदी युग - भारतेन्दु युग: प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं विशेषताएँ। - द्विवेदी युग: प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं विशेषताएँ।
IV	राष्ट्रीय काव्यधारा एवं छायावाद - राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक काव्यधारा: प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं प्रवृत्तियाँ। - छायावाद: नामकरण, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख साहित्यकार एवं उनका साहित्य।
V	छायावादोत्तर काल - प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता और नवगीतवाद। - समकालीन कविता का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।

सहायक पुस्तक सूची:

- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ - डॉ. नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली (2008)
- हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी - नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली (2019)
- आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास - कृष्ण शंकर शुक्ल, हिंदी साहित्य कुटीर, बनारस (1991)
- हिन्दी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली (2017)
- छायावाद - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली (1955)
- आधुनिक हिन्दी कविता - कमला प्रसाद, वाणी प्रकाशन, दिल्ली (2017)
- नई कविता और अस्तित्ववाद - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली (1987)
- प्रगतिवाद और समानांतर साहित्य - रेखा अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली (2012)
- हिंदी रीति साहित्य - भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली (1999)
- रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली (1953)

सगुण भक्ति काव्य एवं रीतिकालीन काव्य

Maximum Marks : 75
Minimum Marks : 30

Scheme of Examination

1. 05 Short Answered questions (Covering 5 Units)
(Not more than 100 words) – 05 Marks each = 05*05 = 25 Marks
2. 05 Long Answered questions of 05 Marks each = 05*05
(With internal choice of one question from each unit) Not more than 500 words) = 50 Marks

I	सूरदास पाठ्य सामग्री: भ्रमरगीत सार, संपादक: आचार्य रामचंद्र शुक्ल (प्रारंभिक 25 पद)।
II	तुलसीदास पाठ्य सामग्री: रामचरित मानस (उत्तरकाण्ड), गीताप्रेस गोरखपुर (दोहा संख्या 51 से 80 तक)।
III	मीराबाई पाठ्य सामग्री: मीरा पदावली, संपादक: विश्वनाथ त्रिपाठी (प्रारंभिक 20 पद)।
IV	बिहारीलाल पाठ्य सामग्री: बिहारी रत्नाकर, संपादक: जगन्नाथ दास रत्नाकर (प्रारंभिक 50 दोहे)
V	रीतिकालीन कवि (सामान्य परिचय) केशवदास, भूषण, सेनापति, देव तथा बोधा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सामान्य परिचय।

सहायक पुस्तक सूची:

1. लोकवादी तुलसीदास - विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2018
2. भारतीय सौंदर्यबोध और तुलसीदास - रामविलास शर्मा, साहित्य अकादमी, 2007
3. मीरा का काव्य - विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2010
4. रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 2012
5. सूरदास - डॉ. हरबंस लाल वर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1966
6. बिहारी का नया मूल्यांकन - डॉ. बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2014
7. भ्रमरगीत सार - संपादक: आचार्य रामचंद्र शुक्ल, अनन्य प्रकाशन, नई दिल्ली, 2022
8. रामचरितमानस - तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर, 2021
9. बिहारी रत्नाकर - संपादक: जगन्नाथ दास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005

आधुनिक गद्य साहित्य एवं अन्य गद्य विधाएँ (उपन्यास, निबंध एवं कहानी)

Maximum Marks : 75

Minimum Marks : 30

Scheme of Examination

1. 05 Short Answered questions (Covering 5 Units) = 25 Marks
(Not more than 100 words) – 05 Marks each = 05*05
2. 05 Long Answered questions of 05 Marks each = 05*05
(With internal choice of one question from each unit) Not more than 500 words) = 50 Marks

I	उपन्यास : गोदान- प्रेमचंद
II	निबंध: क्रोध-आचार्य रामचंद्र शुक्ल तुम चंदन हम पानी-विद्यानिवास मिश्र, निबंध: उत्तरा फाल्गुनी के आसपास-कुबेरनाथ राय
III	कहानी: नमक का दरोगा-प्रेमचंद उसने कहा था-चंद्रधर शर्मा गुलेरी, कहानी: अमृतसर आ गया है-भीष्म साहनी
IV	संस्मरण: पाठ्य सामग्री: स्मृतियों के छंद - रामदरश मिश्र, यात्रावृत्तान्त पाठ्य सामग्री: मेरी तिब्बत यात्रा - राहुल सांकृत्यायन
V	आत्मकथा : पाठ्य सामग्री: एक कहानी यह भी - मन्नू भंडारी, जीवनी पाठ्य सामग्री: आवारा मसीहा - विष्णु प्रभाकर

सहायक पुस्तक सूची:

1. गोदान – प्रेमचंद (प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली)
2. प्रेमचंद और उनका युग – डॉ. रामविलास शर्मा (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
3. गोदान: नया परिप्रेक्ष्य – डॉ. गोपाल राय (नयी किताब प्रकाशन, दिल्ली)
4. हिन्दी उपन्यास का इतिहास – डॉ. गोपाल राय (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
5. हिंदी उपन्यास: एक अंतर्यात्रा – डॉ. रामदरश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
6. कहानी: स्वरूप और संवेदना – राजेंद्र यादव (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
7. हिंदी कहानी: परंपरा और प्रगति – डॉ. हरदयाल (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
8. कहानी नयी कहानी – डॉ. नामवर सिंह (लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली)
9. हिंदी निबंध और निबंधकार – डॉ. रामचन्द्र तिवारी (विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी)
10. हिंदी गद्य: विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2018
11. स्मृतियों के छंद - रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1995
12. मेरी तिब्बत यात्रा - राहुल सांकृत्यायन, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली, 2021
13. एक कहानी यह भी - मन्नू भंडारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2016
14. आवारा मसीहा - विष्णु प्रभाकर, राजपाल एंड संस, दिल्ली, 1997
15. अंधा युग - धर्मवीर भारती, किताब महल, दिल्ली, 2018
16. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास - विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरिएंट ब्लैकस्वॉन प्रकाशन, दिल्ली, 2007
17. आधुनिक हिन्दी गद्य का विकास और विश्लेषण - विजय मोहन सिंह, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली, 2014

भारतीय ज्ञान परंपरा में साहित्य

Maximum Marks : 75
Minimum Marks : 30

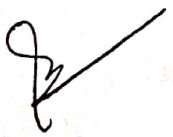
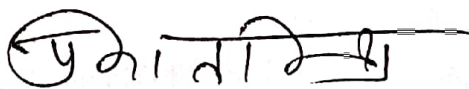
Scheme of Examination

- 05 Short Answered questions (Covering 5 Units)
(Not more than 100 words) – 05 Marks each = 05*05 = 25 Marks
- 05 Long Answered questions of 05 Marks each = 05*05
(With internal choice of one question from each unit) Not more than 500 words) = 50 Marks

I	आधारभूत अवधारणा भारतीय ज्ञान परंपरा का परिचयः, इतिहास और महत्व। वेदों, ब्राह्मण ग्रंथों और उपनिषदों में निहित ज्ञान का साहित्यिक विश्लेषण।
II	दर्शन और साहित्यसांख्य : षड्दर्शन) भारतीय दर्शनः, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा, वेदांतन और बौद्ध परंपरा का साहित्यिक और साहित्य का अंतर्संबंध। जै (प्रभाव।
III	महाकाव्य और स्मृतियाँ रामायण और महाभारत में वर्णित सामाजिकः, राजनैतिक और नैतिक मूल्य। स्मृतियों और पुराणों में सांस्कृतिक चेतना।
IV	भक्ति और लोक ज्ञानः मध्यकालीन संत और भक्त कवियों (कबीर), तुलसी, सूरके (भारतीय ज्ञान परंपरा का व्यावहारिक रूप। लोकगीतों और लोकगाथाओं में काव्य में सुरक्षित ज्ञान।
V	आधुनिक प्रासंगिकता वर्तमान समय में भारतीय ज्ञान परंपरा की उपयोगिता :, पर्यावरण संरक्षण, नैतिकता और वैश्विक शांति में साहित्य की भूमिका।

सहायक पुस्तक सूची:

- भारतीय ज्ञान परंपरा - प्रो. कपिल कपूर
- भारतीय दर्शन की रूपरेखा - प्रो. एम. हिरियन्ना
- हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- संस्कृति के चार अध्याय - रामधारी सिंह 'दिनकर'

प्रगतिवादी एवं प्रयोगवादी काव्य

Maximum Marks : 75

Minimum Marks : 30

Scheme of Examination

1. 05 Short Answered questions (Covering 5 Units)
(Not more than 100 words) – 05 Marks each = 05*05 = 25 Marks
2. 05 Long Answered questions of 05 Marks each = 05*05
(With internal choice of one question from each unit) Not more than 500 words) = 50 Marks

I	सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' कविताएँ: नदी के द्वीप, बावरा अहेरी, कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला, हरी घास पर क्षणभर।
II	गजानन माधव मुक्तिबोध कविताएँ: ब्रह्मराक्षस, भूल-गलती।
III	नागार्जुन कविताएँ: बसन्त की अगवानी, कोई आए तुमसे सीखे, शासन की बंदूक, अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा है।
IV	रामधारी सिंह दिनकर एवं केदारनाथ अग्रवाल दिनकर: रश्मिरथी (अंश)। केदारनाथ अग्रवाल: वह जन मारे नहीं मरेगा।
v	भवानी प्रसाद मिश्र एवं विनोद कुमार शुक्ल भवानी प्रसाद मिश्र: गीत फ़रोश। विनोद कुमार शुक्ल: जो कुछ अपरिचित है।

सहायक पुस्तक सूची:

1. मुक्तिबोध की कविताएँ - अशोक चक्रधर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. कविता से साक्षात्कार - मलयज, संभावना प्रकाशन, लखनऊ।
3. नागार्जुन का रचना संसार - विजय बहादुर सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. प्रतिनिधि कविताएँ - विनोद कुमार शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. अज्ञेय का काव्य - प्रणय कृष्ण, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. कवि अज्ञेय - नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. हिंदी की प्रगतिशील कविता - लल्लन राय, हरियाणा साहित्य अकादमी।
8. रश्मिरथी - रामधारी सिंह दिनकर, लोक भारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. भवानी प्रसाद मिश्र की काव्यकृतियाँ: एक विश्लेषण - डॉ. शालिनी रविंद्र चिंचोरे।

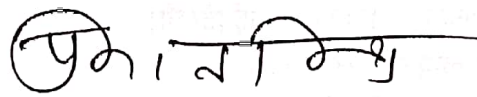
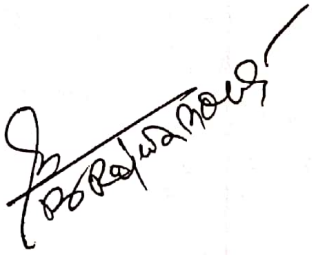
प्रायोगिक कार्य

Maximum Marks : 100
Minimum Marks : 40

प्रत्येक विद्यार्थी को परियोजना कार्य करना अनिवार्य होगा। परियोजना कार्य/असाईमेंट/सेमिनार कार्य विभागाध्यक्ष एवं संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन द्वारा तैयार किया जाएगा। प्रत्येक विद्यार्थी व्यक्तिगत रूप से अपना मौलिक परियोजना कार्य विभागाध्यक्ष को प्रस्तुत करेगा। परियोजना कार्य एवं संबंधित सेमेस्टर में विषयों के आधार पर बाह्यपरीक्षक द्वारा परीक्षा एवं मौखिकी सम्पादित होगी।

परियोजना कार्य एवं प्रकाशन: 70

मौखिकी: 30



भारतीय काव्यशास्त्र

Maximum Marks : 75

Minimum Marks : 30

Scheme of Examination

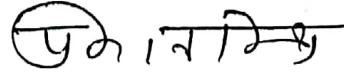
1. 05 Short Answered questions (Covering 5 Units) = 25 Marks
(Not more than 100 words) – 05 Marks each = 05*05
2. 05 Long Answered questions of 05 Marks each = 05*05
(With internal choice of one question from each unit) Not more than 500 words) = 50 Marks

I	संस्कृत काव्यशास्त्र एवं रस सिद्धांत • संस्कृत काव्यशास्त्र: काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन और काव्य के प्रकार। • रस सिद्धांत: रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति (भरत मुनि का रस सूत्र), रस के अंग और साधारणीकरण की प्रक्रिया।
II	अलंकार एवं रीति सिद्धांत • अलंकार सिद्धांत: अलंकार की मूल स्थापनाएँ और अलंकारों का वर्गीकरण। • रीति सिद्धांत: रीति की अवधारणा, काव्यगुण, रीति एवं शैली और रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।
III	वक्रोक्ति एवं औचित्य सिद्धांत • वक्रोक्ति सिद्धांत: वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति और अभिव्यंजनावाद का संबंध। • औचित्य सिद्धांत: औचित्य की प्रमुख स्थापना और औचित्य के विभिन्न भेद।
IV	ध्वनि सिद्धांत एवं हिन्दी आलोचना • ध्वनि सिद्धांत: ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ और ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद। • हिन्दी आलोचना: हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (शास्त्रीय, स्वच्छंदतावादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, मनोवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय आलोचना)।
V	पाश्चात्य काव्यशास्त्र (भाग-1): प्लेटो का काव्य सिद्धांत, अरस्तु का अनुकरण सिद्धांत और विरेचन सिद्धांत, लौजाइनस की उदात्त (Sublime) की अवधारणा। पाश्चात्य काव्यशास्त्र (भाग-2): मैथ्यू आर्नल्ड (कला की अवधारणा), टी. एस. इलियट (निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत), कॉलरिज (कल्पना सिद्धांत) और स्वच्छंदतावाद।

सहायक पुस्तक सूची:

- 1- भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र
- 2- भारतीय आलोचना शास्त्र – डॉ. राजवंश सहाय
- 3- भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
- 4- संस्कृत काव्यशास्त्र (भाग 1-2) – डॉ. बलदेव प्रसाद उपाध्याय
- 5- भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. भगीरथ मिश्र
- 6- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत - डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
- 7- पाश्चात्य काव्य शास्त्र: इतिहास, सिद्धांत और वाद - डॉ. भगीरथ मिश्र






शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया

Maximum Marks : 75

Minimum Marks : 30

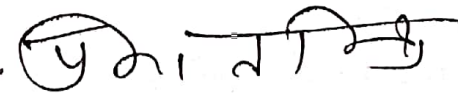
Scheme of Examination

1. 05 Short Answered questions (Covering 5 Units)
(Not more than 100 words) – 05 Marks each = 05*05 = 25 Marks
2. 05 Long Answered questions of 05 Marks each = 05*05
(With internal choice of one question from each unit) Not more than 500 words) = 50 Marks

I	शोध का स्वरूप: शोध की परिभाषा (अनुसंधान), स्वरूप और महत्व। शोध के विविध प्रकार : मौलिक शोध, तुलनात्मक शोध, और विश्लेषणात्मक शोध। साहित्यिक शोध का महत्व।
II	शोध प्रविधि: शोध प्रविधि का अर्थ और आवश्यकता। शोध के विभिन्न चरणविषय चयन : शोध-परिकल्पना (Hypothesis) का निर्माण, और शोध की रूपरेखा (Synopsis) तैयार करना।
III	सामग्री संकलन और विश्लेषण: शोध सामग्री के स्रोत। तथ्यों (प्राथमिक और द्वितीयक स्रोत) का संकलन, विश्लेषण और वर्गीकरण। क्षेत्र कार्य (Field Work) और साक्षात्कार की पद्धति।
IV	शोध प्रबंध लेखन: शोध प्रबंध की संरचनाभूमिका : अध्याय विभाजन, उपसंहार। संदर्भ ग्रंथ सूची (Bibliography) तैयार करना, पाद टिप्पणी (Footnotes) और उद्धरण (Citations) देने की पद्धति।
V	अनुसंधान में नैतिकता: शोध में मौलिकता का महत्व और साहित्यिक चोरी (Plagiarism) से बचाव। कंप्यूटर और इंटरनेट का शोध में उपयोग। ई-पुस्तकालय (E-Library) और शोध पत्रिकाओं की भूमिका।

सहायक पुस्तक सूची:

1. अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया - डॉ. सावित्री चन्द्र शोभा
2. साहित्यिक अनुसंधान के सिद्धांत - डॉ. विनय मोहन शर्मा
3. शोध स्वरूप और मानक प्रविधियाँ - डॉ. देवराज
4. हिंदी अनुसंधान: प्रविधि और प्रक्रिया - डॉ. हेतु भारद्वाज
5. शोध की प्रविधि - डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी




प्रयोजनमूलक हिंदी

Maximum Marks : 75

Minimum Marks : 30

Scheme of Examination

1. 05 Short Answered questions (Covering 5 Units)
(Not more than 100 words) – 05 Marks each = 05*05 = 25 Marks
2. 05 Long Answered questions of 05 Marks each = 05*05
(With internal choice of one question from each unit) Not more than 500 words) = 50 Marks

I	कामकाजी हिंदी: कामकाजी हिंदी के विविध रूप, कार्यालयीन हिंदी के (राजभाषा) प्रारूपण - प्रमुख प्रकार्य(Drafting), पत्र लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, और टिप्पणी (Noting)। पारिभाषिक शब्दावलीस्वरूप :, महत्व और निर्माण के सिद्धांत।
II	हिंदी कम्प्यूटिंग: कम्प्यूटर परिचय, उपयोगिता एवं क्षेत्र, सोशल मीडिया, इंटरनेट, हिंदी सॉफ्टवेयर पैकेज, कम्प्यूटर और कोर्स विज्ञान।
III	पत्रकारिता: स्वरूप एवं प्रकार, हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास, समाचार लेखन कला, संपादन के आधारभूत तत्व, व्यावहारिक प्रूफशोधन, शीर्षक संरचना, विज्ञापन लेखन, साक्षात्कार, और प्रेस कानून।
IV	मीडिया लेखन: जनसंचार प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियां, जनसंचार माध्यमों का स्वरूप - (मुद्रण(Print), श्रव्य (Radio), दृश्य) श्रव्य-TV), और इंटरनेट।
V	अनुवाद: स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया और प्रविधि। हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका, कार्यालयीन अनुवाद, जनसंचार माध्यमों का अनुवाद और विज्ञापन में अनुवाद।

सहायक पुस्तक सूची:

1. कार्यालयीन हिंदी - डॉ. कैलाश नाथ पाण्डेय
2. कम्प्यूटर और हिन्दी - हरिमोहन
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी और जनसंचार - डॉ. राजेंद्र मिश्र
4. अनुवाद प्रक्रिया और परिप्रेक्ष्य - रीतारानी पालीवाल
5. आधुनिक पत्रकारिता का वृहद इतिहास - अर्जुन तिवारी

भारतीय साहित्य

Maximum Marks : 75

Minimum Marks : 30

Scheme of Examination

1. 05 Short Answered questions (Covering 5 Units)
(Not more than 100 words) – 05 Marks each = 05*05 = 25 Marks
2. 05 Long Answered questions of 05 Marks each = 05*05
(With internal choice of one question from each unit) Not more than 500 words) = 50 Marks

I	भारतीय साहित्य की अवधारणा • भारतीय साहित्य का स्वरूप: भारतीय साहित्य की पहचान और उसकी मूल एकता। • अध्ययन की समस्याएँ: विभिन्न भाषाओं और लिपियों के कारण आने वाली चुनौतियाँ। • भारतीयता का समाजशास्त्र: साहित्य में आज के भारत का बिंब और भारतीयता की अभिव्यक्ति। • सांस्कृतिक मूल्य: हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों का स्थान।
II	बंगला और उड़िया साहित्य • बंगला साहित्य: बंगला भाषा के साहित्य का इतिहास, प्रमुख रचनाकार और उनकी महत्वपूर्ण कृतियाँ। • उड़िया साहित्य: उड़िया भाषा के साहित्य का इतिहास, प्रमुख साहित्यकारों का परिचय और उनकी कृतियाँ।
III	तुलनात्मक अध्ययन • तुलनात्मक विश्लेषण: बंगला साहित्य, उड़िया साहित्य और हिन्दी साहित्य के बीच समानताएँ, प्रभाव और विशिष्टताओं का अध्ययन।
IV	भारतीय नाटक • हयवदन: गिरीश कर्नाड द्वारा लिखित प्रसिद्ध नाटक (मूल कन्नड़ से अनुवादित)। इससे संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न।
V	मूल्यांकन • संपूर्ण पाठ्यक्रम से लघुउत्तरीय और वस्तुनिष्ठ प्रश्न।

सहायक पुस्तक सूची:

- 1- भारतीय साहित्य – संपादक: डॉ. नगेन्द्र
- 2- भारतीय साहित्य कोष – डॉ. नगेन्द्र
- 3- बंगला साहित्य का इतिहास – भारतीय भाषा संस्थान, इलाहाबाद
- 4- हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल / डॉ. नगेन्द्र

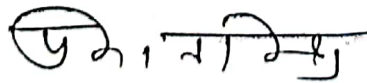
Scheme of Examination

- 05 Short Answered questions (Covering 5 Units)
(Not more than 100 words) – 05 Marks each = 05*05 = 25 Marks
- 05 Long Answered questions of 05 Marks each = 05*05
(With internal choice of one question from each unit) Not more than 500 words) = 50 Marks

I	हिंदी भाषा का इतिहास: हिंदी भाषा का उद्भव और विकास। अपभ्रंश, अवहट्ट और पुरानी हिंदी का संबंध। हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि।
II	हिंदी की बोलियाँ: हिंदी के विविध रूप उर्दू -, दक्खिनी और हिंदुस्तानी। हिंदी की उपभाषाएँ और बोलियाँ (ब्रज), अवधी, खड़ी बोली, भोजपुरी, मैथिली आदि तथा (उनका क्षेत्र)।
III	व्याकरणिक संरचना: हिंदी की धनियाँ (स्वर और व्यंजन), शब्द संपदा (तत्सम), तद्भव, देशज, विदेशज (संज्ञा)। हिंदी की व्याकरणिक कोटियाँ (सर्वनाम, विशेषण, क्रिया)।
IV	संवैधानिक स्थिति: राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति अनुच्छेद (343-351)। राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी।
V	मानकीकरण और लिपि: हिंदी भाषा का मानकीकरण। देवनागरी लिपि का उद्भव, विकास और उसकी विशेषताएँ। देवनागरी लिपि के मानकीकरण के प्रयास।

सहायक पुस्तक सूची:

- हिंदी भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी
- हिंदी भाषा का इतिहास - धीरेन्द्र वर्मा
- भाषिकी और हिंदी भाषा - डॉ. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- हिंदी भाषा: उद्भव और विकास - उदयनारायण तिवारी
- देवनागरी लिपि - डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना




प्रायोगिक कार्य

PAPER-I

Maximum Marks : 100

Minimum Marks : 40

प्रत्येक विद्यार्थी को परियोजना कार्य करना अनिवार्य होगा। परियोजना कार्य/असाईमेंट/सेमिनार कार्य विभागाध्यक्ष एवं संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन द्वारा तैयार किया जाएगा। प्रत्येक विद्यार्थी व्यक्तिगत रूप से अपना मौलिक परियोजना कार्य विभागाध्यक्ष को प्रस्तुत करेगा। परियोजना कार्य एवं संबंधित सेमेस्टर में विषयों के आधार पर बाह्यपरीक्षक द्वारा परीक्षा एवं मौखिकी सम्पादित होगी।

परियोजना कार्य एवं प्रकाशन: 70

मौखिकी: 30

[Handwritten signature]
Dobraj Kumar

[Handwritten signature]

[Handwritten signature]

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Maximum Marks : 75
Minimum Marks : 30

Scheme of Examination

1. 05 Short Answered questions (Covering 5 Units) = 25 Marks
(Not more than 100 words) – 05 Marks each = 05*05
2. 05 Long Answered questions of 05 Marks each = 05*05
(With internal choice of one question from each unit) Not more than 500 words) = 50 Marks

Learning Objective :

I	यूनानी काव्यशास्त्र (Greek Poetics) • प्लेटो (Plato): काव्य सिद्धांत और कला की नकल (अनुकरण) पर उनके विचार। • अरस्तू (Aristotle): अनुकरण सिद्धांत (Theory of Mimesis) और त्रासदी विवेचन (Theory of Tragedy)।
II	उदात्त एवं स्वच्छंदतावादी सिद्धांत • लॉन्गइनस (Longinus): उदात्त की अवधारणा (Concept of the Sublime)। • वर्ड्सवर्थ (Wordsworth): काव्य-भाषा का सिद्धांत। • कालरिज (Coleridge): कल्पना सिद्धांत (Theory of Imagination) और ललित कल्पना (Fancy)।
III	आधुनिक समीक्षा सिद्धांत • मैथ्यू आर्नल्ड (Matthew Arnold): आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य। • टी. एस. इलियट (T.S. Eliot): परंपरा की परिकल्पना, वैयक्तिक प्रज्ञा और निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत।
IV	मनोवैज्ञानिक एवं आधुनिक वाद • आई. ए. रिचर्ड्स (I.A. Richards): रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन और व्यावहारिक आलोचना। • प्रमुख सिद्धांत एवं वाद: ○ अभिजात्यवाद (Classicism) ○ स्वच्छंदतावाद (Romanticism) ○ मार्क्सवाद (Marxism) ○ मनोविश्लेषणवाद (Psychoanalysis) ○ अस्तित्ववाद (Existentialism)
V	मूल्यांकन • संपूर्ण पाठ्यक्रम से लघुउत्तरीय और वस्तुनिष्ठ/अति लघुउत्तरीय प्रश्न।

सहायक पुस्तक सूची:

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत – डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. विजयबहादुर सिंह
3. साहित्य समीक्षा के मानदंड – डॉ. राजेन्द्र कुमार
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – श्री देवेन्द्रनाथ शर्मा

हिंदी आलोचना तथा समीक्षाशास्त्र

Maximum Marks : 75
Minimum Marks : 30

Scheme of Examination

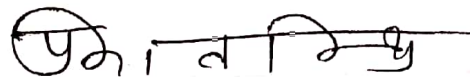
- 05 Short Answered questions (Covering 5 Units) = 25 Marks
(Not more than 100 words) – 05 Marks each = 05*05
- 05 Long Answered questions of 05 Marks each = 05*05
(With internal choice of one question from each unit) Not more than 500 words) = 50 Marks

Learning Objective :

I	आलोचना का स्वरूप: आलोचना की परिभाषा, स्वरूप और प्रकार। हिंदी आलोचना का उद्भव और विकास।
II	शास्त्रीय और आधुनिक आलोचना: भारतेंदु युग, द्विवेदी युग और शुक्ल युग की आलोचना। आचार्य रामचंद्र शुक्ल का आलोचनात्मक दृष्टिकोण और उनका महत्व।
III	प्रमुख आलोचना पद्धतियाँ: प्रभाववादी आलोचना, व्याख्यात्मक आलोचना, मनोवैज्ञानिक आलोचना और ऐतिहासिक आलोचना।
IV	मार्क्सवादी और प्रगतिवादी आलोचना: प्रगतिवादी आलोचना के आधारभूत सिद्धांत। डॉ. रामविलास शर्मा, गजानन माधव मुक्तिबोध और नामवर सिंह का योगदान।
V	समकालीन आलोचना: नई समीक्षा, आधुनिकतावाद, उत्तरआधुनिकतावाद और हिंदी - आलोचना की वर्तमान चुनौतियाँ।

सहायक पुस्तक सूची:

- हिंदी आलोचना - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
- कविता के नये प्रतिमान - नामवर सिंह
- आलोचना के मान - शिवदान सिंह चौहान
- हिंदी साहित्य की भूमिका - हजारी प्रसाद द्विवेदी
- शुक्ल जी का आलोचनात्मक व्यक्तित्व - डॉ. रामविलास शर्मा



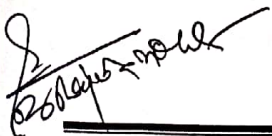
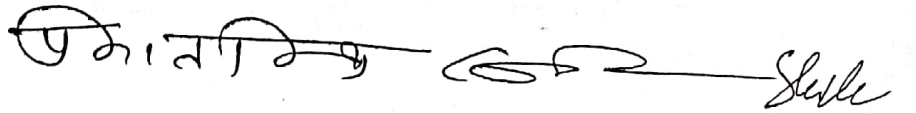

पत्रकारिता प्रशिक्षण**Maximum Marks : 75**
Minimum Marks : 30**Scheme of Examination**

1. 05 Short Answered questions (Covering 5 Units)
(Not more than 100 words) – 05 Marks each = 05*05 = 25 Marks
2. 05 Long Answered questions of 05 Marks each = 05*05
(With internal choice of one question from each unit) Not more than 500 words) = 50 Marks

I	पत्रकारिता: स्वरूप एवं विकास पत्रकारिता की परिभाषा, स्वरूप और प्रकार। हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास और वर्तमान परिदृश्य।
II	समाचार लेखन एवं संपादन समाचार के तत्व, समाचार संकलन की प्रक्रिया, शीर्षक संरचना (Heading), लीड लेखन और समाचार संपादन के आधारभूत सिद्धांत।
III	साक्षात्कार एवं विज्ञापन साक्षात्कार (Interview) की तकनीक, प्रेस वार्ता (Press Conference), विज्ञापन लेखन की कला और उपभोक्ता संस्कृति के साथ इसका संबंध।
IV	इलेक्ट्रॉनिक मीडिया रेडियो और दूरदर्शन (TV) की भाषा, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता, स्क्रिप्ट लेखन और प्रसारण के सिद्धांत।
V	प्रेस कानून एवं नैतिकता प्रमुख प्रेस कानून, आचार संहिता, प्रेस की स्वतंत्रता और पत्रकारिता के नैतिक उत्तरदायित्व।

सहायक पुस्तक सूची:

1. पत्रकारिता प्रशिक्षण - डॉ. राजेंद्र मिश्र
2. हिंदी पत्रकारिता का इतिहास - डॉ. रामचंद्र तिवारी
3. जनसंचार के माध्यम - डॉ. अर्जुन तिवारी

छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य

Maximum Marks : 75

Minimum Marks : 30

Scheme of Examination

1. 05 Short Answered questions (Covering 5 Units)
(Not more than 100 words) – 05 Marks each = 05*05 = 25 Marks
2. 05 Long Answered questions of 05 Marks each = 05*05
(With internal choice of one question from each unit) Not more than 500 words) = 50 Marks

Learning Objective :

I	छत्तीसगढ़ी भाषा का इतिहास: छत्तीसगढ़ी भाषा का उद्भव और विकास। छत्तीसगढ़ी की प्रमुख बोलियाँ (खलटाही), लरिया, सरगुजिया आदि और उनका क्षेत्र। छत्तीसगढ़ी का अन्य (।आर्य भाषाओं से संबंध
II	व्याकरणिक संरचना: छत्तीसगढ़ी की ध्वन्यात्मक विशेषताएँ, शब्द भंडार (तद्भव), देशज, अन्य भाषाओं के शब्द :। छत्तीसगढ़ी का व्याकरण (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया और अव्यय।
III	लोक साहित्य: छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य का स्वरूप और महत्व। लोकगीत सुआ), ददरिया, करमा, भोजली, गौरा (गौरी आदि-), लोकगाथा पंडवानी), भरथरी (दानी) और लोकोक्तियाँ (, जनउला।(
IV	प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्य: छत्तीसगढ़ी के प्राचीन साहित्य की परंपरा। प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ (गोपाल मिश्र - जैसे), रेवाराम बाबू, माखनलाल चतुर्वेदी।(
V	आधुनिक साहित्य: छत्तीसगढ़ी के प्रमुख आधुनिक साहित्यकार: पंसुंदरलाल शर्मा ., लोचन प्रसाद पाण्डेय, डॉपदुमलाल पुत्रालाल बख्शी ., डॉ नरेंद्र देव .वर्मा और समकालीन छत्तीसगढ़ी कविता व गद्य।

सहायक पुस्तक सूची:

1. छत्तीसगढ़ी भाषा का शास्त्रीय अध्ययन - डॉ. रमेश चंद्र महसेत्रा
2. छत्तीसगढ़ी भाषा का उद्भव और विकास - डॉ. पालेश्वर प्रसाद शर्मा
3. छत्तीसगढ़ी साहित्य और साहित्यकार - डॉ. विनय कुमार पाठक
4. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य का अध्ययन - डॉ. वित्तमन कर
5. छत्तीसगढ़ी व्याकरण - डॉ. हीरालाल काव्योपाध्याय (संपादक: डॉ. लोचन प्रसाद पाण्डेय)

प्रो. नरेश कुमार

Shukla

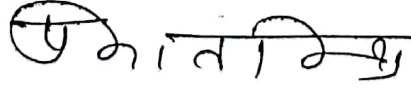
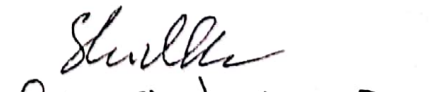
लघु शोध-प्रबंध

Maximum Marks : 100
Minimum Marks : 40

इस सेमेस्टर के दौरान छात्रों को एक शोध प्रबंध पूरा करना होगा। सर्वप्रथम उन्हें एक शोध प्रस्ताव और उसकी चर्चा प्रस्तुत करनी होगी। विभाग द्वारा अनुमोदन प्राप्त होने पर शोध प्रबंध का विषय नोटिस बोर्ड पर अधिसूचित किया जाएगा। छात्र को एक सारांश प्रस्तुत करना होगा और दिए गए समय में संक्षिप्त शोध पूरा करके शोध प्रबंध की तीन प्रतियां विभाग में जमा करनी होंगी। शोध प्रबंध का मूल्यांकन माननीय कुलपति द्वारा नियुक्त एक बाहरी विशेषज्ञ और एक आंतरिक विशेषज्ञ द्वारा किया जाएगा। इसके बाद छात्र द्वारा पीपीटी प्रस्तुति और मौखिक परीक्षा होगी।

शोध प्रबंध एवं प्रकाशन: 70

मौखिकी: 30


(Dr. Pradhat Mishra)
(Dr. Sudhanshu Sharma)
(Dr. Shari Sharma)

इंटर्नशिप अउ रिपोर्ट

Maximum Marks : 100
Minimum Marks : 40

छात्रों को साहित्यिक गतिविधियों (अधिमानत: हिंदी भाषा में) या पत्रकारिता एवं जनसंचार के क्षेत्र में कार्यरत किसी संगठन में चार सप्ताह की इंटर्नशिप करनी होगी। इंटर्नशिप के दौरान, उन्हें अपनी गतिविधियों की दैनिक रिपोर्ट रखनी होगी और अंत में अपनी गतिविधियों और इंटर्नशिप के दौरान प्राप्त ज्ञान पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करनी होगी। यह रिपोर्ट मेजबान संगठन से प्राप्त इंटर्नशिप सफल समापन प्रमाण पत्र के साथ विभाग को प्रस्तुत की जाएगी। इंटर्नशिप एवं रिपोर्ट का मूल्यांकन माननीय कुलपति द्वारा नियुक्त एक बाहरी विशेषज्ञ और एक आंतरिक विशेषज्ञ द्वारा किया जाएगा। इसके बाद छात्र द्वारा पीपीटी प्रस्तुति और मौखिक परीक्षा होगी।

इंटर्नशिप एवं रिपोर्ट : 70

मौखिकी: 30

